

देश के जीडीपी ग्रोथ में मत्स्य विभाग का 22% योगदान

सूबे के विभागीय मंत्री डॉ. संजय निषाद ने मोदी सरकार के कार्यकाल को सराहा

पत्रकार-वार्ता

बोले : प्रधानमंत्री सोदी के नौ साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को रहा समर्पित

वर्तमान केंद्र-राज्य सरकारों ने मछुआ समाज के सर्वांगीण विकास को उठाए खास कदम

लगाए आरोप : पूर्व की सरकारें निषाद समाज को समझती थीं अचूत, नहीं किया कोई कार्य

जनसंदेश न्यूज़



प्रदेश में मत्स्य विभाग के मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने स्कॉट हाउस में प्रेसवार्ता की

उन्होंने मोदी सरकार के नौ साल के कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि मोदी ही एक मात्र ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने अपने कार्यों का हिसाब जनता को दिया है। उनकी सरकार की तरफ नीतियों और अतिम व्यक्तियों तक पहुंचने के कारण ही योजनाओं का सत्-प्रतिक्रिया रहएक पात्र को मिल रहा है। वही मोदी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उनकी सरकार लगातार सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित है।

एक प्रश्न के उत्तर में डॉ. निषाद ने कहा कि बीते सालों में परिवारवाद तथा तुष्टिकरण की राजनीति खत्म हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि छह हजार मछुआओं को मुफ्त साइकिल देने के लिए जानकारी दी।

योजनाओं के लिए ऑनलाइन दें अर्जी

प्रेसवार्ता में सूबे के कैविनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार मछुआ समाज के हित में लगातार पहल कर रही है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज

बोट सभिंडी योजना, सामूहिक दुर्घटना बीमा योजना और मत्स्य पालक कार्यक्रम कोष वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन मार्ग दिया गया है।

केंद्र से मांगे एक हजार करोड़

पत्रकार-वार्ता में एक सवाल के जवाब डॉ. निषाद ने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए केंद्र सरकार ने एक हजार करोड़ रुपयों की गई है। मत्स्य पालक कल्याण कोष से मछुआ समाज का उत्थान संभव है। कारण, इसका सीधा लाभ मछुआ समाज को मिलेगा। स्कॉम में सामुदायिक भवन निर्माण, मछुआ आवास निर्माण, दैवी आपादा में परिकल्पना सहायता, परिशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण के मध्यम

कि पूर्व से सरकारें मछुआ समाज को अछूत सम्पत्ति थीं, उनके सिफ 18% मछुआ समाज के बोट से तो मतलब रहा लेकिन निषाद समाज के विकास और इतिहास के लिए कोई कार्य नहीं किया। पूर्व की सरकारों ने मछुआ समाज के गैरवशाली इतिहास को खत्म करने की कोशिश की। जबकि मारी-योगी सरकार मछुआ समाज के गैरवशाली इतिहास को पुनर्जीवित कर रही है। उन्होंने कहा कि इसी का परिणाम है कि प्रयोगराज में 56 फीट की प्रभु श्रीमान और

से मत्स्य पालकों एवं मछुआओं को लाभावधि करेंगे। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में शामिल 30 स्टोन में मछुआओं एवं कमजोर तबके के लोगों का बहुमुखी विकास कर रहे हैं। इस योजना में गत प्राप्त 85 हजार आवेदनों में से 15 हजार लोगों को लाभावधि किया गया। मछुआ कल्याण कोष से मछुआओं के बच्चों के पन्ज-पाठन से लेकर कामज़ोर तबके के मछुआओं को आवास आदि की व्यवस्था करा रहे हैं।

महाराजा गुह्यारा निषाद की प्रतिमा लगायी गई है। अयोध्या के सर्वुत्तम और कारीगरों के गंगाटट स्थित लेलियानाला घाट पर भी निषाद राज गुह्यारा की प्रतिमा लगाने का निर्णय लेना निषाद समाज के लिए गैरव की बात है।

ओडिशा रेल हास्पे पर कैविनेट मंत्री ने दुख जताया। साथ ही मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। दूसरी ओर, मलदहिया स्थित गांधी अध्ययन संसाधन एवं शास्त्रानुसारियों के लिए गैरव की बात है।

आगात-निर्यात को बढ़ावा देगा चंदौली का फिश मार्केट

डॉ. संजय कुमार निषाद ने मीडिया को बताया कि मछुली के आगात-निर्यात को बढ़ावा देने और पूर्वाचल के जिजों में उत्तरांत मछुली का गोलीबारियों के लिए सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत चंदौली ने निर्माणाधीन परियोग का सबसे बड़ा स्टेट ऑफ आपॉर्ट होनेसेल फिश मार्केट डैशबोर्ड में पहला स्थान प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप चौधरी ने जिले की समस्त नगरीय व

ग्रामीण स्तरीय पीएसी-सीएसी व हेल्थ एंड वेलनेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे प्रधानमंत्री ने उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक कर्तव्य राज एवं आवेदनों में से 15 हजार लोगों को लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक ताप्रयोग लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक कर्तव्य राज एवं आवेदनों में से 15 हजार लोगों को लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक ताप्रयोग लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक कर्तव्य राज एवं आवेदनों में से 15 हजार लोगों को लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक ताप्रयोग लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक ताप्रयोग लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।

आगामी वर्ष 18 जुलाई तक ताप्रयोग लाभावधि परियोजना में थोक-फुटरन बिकी भवन, एकसपीरियेस सेटर, 111 अत्यधिक दुकानें, प्रशासनिक भवन आदि शामिल हैं। इससे उत्तरांत मछुली को बढ़ावा देने के लिए उन्हें सप्तसाहित किया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री की गोलीबारियों के प्रति गोलीबारियों के सभी विकासात्मक कारोबारी व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए गैरव की बात है।



1. कहो क्या हो जाऊँ माँ !
लोहे का तानीज बना लो
मेरे होने को बाँध लो अपनी बाँह पर,
माँ
मृत्यु पर सोना ही उतारते हैं
लोहा साथ चढ़ सकता है चिता पर
तुम्हारे विछोड़ में फँक कर
छार हो रही हूँ
सौभाग्य का सिद्धूर नहीं मुझे लपेट लो
अमेर माथे पर
तुम्हें हर दाह से बचा लूँगी

तुम्हारे तलवे की मिट्टी हूँ
तुम्हारी आँख का पानी
तुम्हारे निर्भय की अग्नि
तुम्हारे रेखे का आकाश
तुम्हारी बाद की उत्तरावै
तुम्हारे ही शक्ति जल वाक गगन
समीक्षे से उपजी हूँ
यह देह दूर्घट तो
तुम्हारा साथ बनी रहूँ इनमें ही कहीं
सदा

मानवी हूँ
देह धरे की अपराधी
सो मृत्यु ने अपने द्वार बंद कर दिए हैं,
हमारे बीच
तुम्हारी बातों क्या हो जाऊँ कि
अनेक अकाल तक तुम्हारा आँचल
एक दूधमी रहूँ
उन आकाशगंगाओं में
जो अब तुम्हारा आँगन है

2. भी
(स्त्री- कविता)
मेरे हिस्से उनका विनोद था
जग बंस औफ ह्यामर
ऐसे- ऐसे चुटकुले कि
कोई हँसता- हँसता दोहरा हो जाए
लेकिन मैं नहीं हँसी
मुस्कुराई भर
मुझे अपने लिखे पर बात करनी थी

मेरे पास मीठा गला था
स्त्रियोंचित लोच और शास्त्रीय संगीत
की समझ
मद सपक में भी कहती रही
मैं भी कवि हूँ
गाने पर नहीं कविताओं पर बात करते
नेता यदि होगा कोई लुहर

अनुराधा सिंह की कविताएँ



मेरे पास था उज्ज्वल ललाट
छोटी सी यूरोपीय खड़ी नाक और
खिंची
पूर्वी आँखें
औं तो और मेरे चिकुक का स्थाह
तिल
पहुँचने ही नहीं देता था

उन्हें मेरी कविताओं तक

फिर मैंने कहा, आप
सदियों से मेरे चमकदार खोल की
प्रशंसित कर रहे हैं
जबकि लिखते- लिखते

मेरी आत्मा नीती- काली हो गयी है
दया कर, एक बार उसे भी पढ़

लीजिये
आपने सही कहा मैं खाना अच्छा
बनाती हूँ

चिपकराया उदाहरणी- काली हो गयी है
बागवानी पिय है

नैकरी में कंठत कही जाती हूँ

वास्तवान की मार्दी

तो केले और मैत्री के लिए सर्वथा
उपयुक्त

किन्तु आपके सामने बैठी हूँ मैं
पर से पैर तक एक कवि ही बस

आइ, मेरी भी कविताओं पर बात

करें।

3. वेटिंग रूम में सोती स्त्री
हरे मखमली पत्तों पर संहेजा
चम्पा का शीलवान फूल नहीं

अजात रेगस्टरान में

जहाँ थंभ भक्ता

खुदमुख्ता रेत का बगला है

रेलवे के प्रतीक्षालय में बेस्थ सो रही

औरत

मानो अगली किसी ट्रेन का टिकट

उसके बस्ते में नहीं

और इस शहर में कहीं जाना नहीं उसे

मानो किसी भर में उसके दूर देस से

लौट आने वाले

प्रतीक्षा नहीं हो रही

करवटें नहीं बल्कि रहा कोई प्रेयस

कहीं उदास सफेद सिलवरों पर

मानो चूहे पर खदबदाती दाल कहीं

विकल नहीं कि

किन्तु आपका का फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

रेती द्वारा का फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फैसला करने के लिए

तो बाँध दो जनता में अनाज की तरह बढ़ूक

और करने दो खींचों को

अपने-अपने तरीके से नाया

तब तुम्हें वह समझे में बहुत देर नहीं लगेगी

कि अपराधियों को सरे-आम गोली मार दी

जाए

और अद्यतांतों को छोड़ दिया जाए

जो जनता जनता की फ

पीड़ितों की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण तरीके से करें निस्तारण

सम्पूर्ण समाधान दिवस

जिले की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन, 34 मामलों का हुआ निस्तारण

जनसंदेश न्यूज़

सोनभद्र। जिले की चारों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन शनिवार को किया गया। मुख्य सम्पूर्ण समाधान दिवस दुःखी में मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवर व पुलिस अधिकारी डॉ. यशवर्ण सिंह ने शिकायतकारों की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व सम्बद्ध तरीके से कराने के साथ ही क्षेत्रों में भी टीम खेजकर प्रकरणों का निस्तारण कर गतिशील किया गया।

सीड़ीओं व एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रकरणों का समाधान सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस के भौंपे कर विभागीय कार्यियों की निर्देश दिया कि प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व सम्बद्ध तरीके से कराने के साथ ही क्षेत्रों में भी टीम खेजकर प्रकरणों का निस्तारण कर गतिशील किया जायेगा और जो



दुःखी तहसील में पीड़ितों की फरियाद सुनते एसपी व सीड़ीओं

मामले एक बार दो दिन के अन्दर निस्तारित नहीं होते, उनका निस्तारण उच्च स्तरीय अधिकारी द्वारा मौके पर जाकर निस्तारित किया जायेगा।

इस दौरान सीड़ीओं, एसपी, एसडीएम यथाप्रत प्रत्याप सिंह, तहसीलदार व अन्य अधिकारियों ने 61 शिकायतों सुनते हुए मौके पर 12 मामले

निस्तारित किये। बाकी 49 प्रकरणों को सम्बद्ध तरीके से निस्तारित करने की कारबाही अमल में लाई जा रही है। इस मौके पर तमाम अधिकारी उपस्थित रहे। इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस धोरावल का आयोजन डॉ.आईजी विश्वालय के मण्डल मीरजाहां रोकेश कुमार सिंह की ओर साथीयता में अधिकारीयों की निर्देश दिया गया।

हालांकि इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस कर गतिशील किया गया। जहां न्यायालय ने दोनों को जेल भेज दिया। विभागीय प्रधान को एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रकरणों का समाधान दिवस एसपी व सीड़ीओं व एसडीएम यथाप्रत प्रत्याप सिंह, तहसीलदार व अन्य अधिकारियों ने 61 शिकायतों सुनते हुए मौके पर 12 मामले

प्रार्थना पत्रों का सम्बद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिए गए। वहीं सम्पूर्ण समाधान दिवस गबट्टसंगंज का आयोजन उपजिलाधिकारी सरदर शैलेन्द्र कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस दौरान एसडीएम, तहसीलदार व सीड़ीओं के बावजूद तथा विभागीय प्रधान की ओर साथीयता में अधिकारीयों की निर्देश दिया गया।

प्रार्थना पत्रों का सम्बद्ध और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिए गए। वहीं सम्पूर्ण समाधान दिवस गबट्टसंगंज का आयोजन उपजिलाधिकारी सरदर शैलेन्द्र कुमार मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस दौरान एसडीएम, तहसीलदार व सीड़ीओं के बावजूद तथा विभागीय प्रधान की ओर साथीयता में अधिकारीयों की निर्देश दिया गया।

गहरी माझिनिंग न हो तो ही नदी को बचाया जा सकता है। उन्हें अनशन पुरुष रोजेन्द्र सिंह राणा ने 5 जून पर्यावरण दिवस को कनहर नदी किनारे सिंगरारौली प्रदूषण मुक्त वाहिनी द्वारा किये जाने वाले अनशन को समर्थन दिया है। उन्होंने बयान में कनहर नदी के सरबंग के लिए 5 जून को कोरोना में होने वाले अनशन का उचित बताया। कहा कि बिना परमिट के भी व्यापक पैमाने पर कनहर नदी से बालू उठान करने का मामला संज्ञान में राखा जाए।

इस निर्देशित पर चिंता जाताई हुए फोन पर कहा कि इस मामले को वे

संक्षेप

चोरी मामले में दो गिरफ्तार, सामान बरामद



पुलिस गिरफ्त में आरोपी

डाला। स्थानीय चौकी के बीच में चोरों द्वारा शनिवार को पुलिस ने सेवा सदन मोड़ से दो अधियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। जहां न्यायालय ने दोनों को जेल भेज दिया। विभागीय प्रधान को एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रकरणों का समाधान दिवस एसडीएम, यथाप्रत प्रत्याप सिंह, तहसीलदार व अन्य अधिकारियों ने 61 शिकायतों सुनते हुए मौके पर 12 मामले

उड़ीसा रेल हादसे में इस्तीफा दें रेल मंत्री: कांग्रेस

सोनभद्र। उड़ीसा में हुए ध्वनिकार द्वारा तहसील में आरोपी शिकायतकारों की शिकायतों का निस्तारण कर गतिशील किया जायेगा।

इस दौरान सीड़ीओं, एसपी, एसडीएम यथाप्रत प्रत्याप सिंह, तहसीलदार व सीड़ीओं की ओर गतिशील दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पूर्ण समाधान दिवस के लिए निर्देश दिया गया।

इसी तरह सम्पू

जापानी कंपनी व कबीरमठ मिलकर बनायेंगे एशिया का सबसे बड़ा हॉस्पिटल

शिवपुर में बनाने की योजना तय, सारनाथ में 12 एकड़ परिसर में संतों के अध्ययन के लिए खुलेगा कबीर विद्यापीठ

वाराणसी। एशिया के सबसे बड़े हास्पिटल के रूप में जाने जाने वाला जापानी कंपनी निकॉन एवं कबीरमठ मूलगादी के संयुक्त तत्वावचान में शिवपुर में कंपनी कंफिलिटी फैसिलिटी हास्पिटल बनने की योजना लगभग तय हो चुकी है। 500 बेड का वह हास्पिटल पर लगत लगभग हजार करोड़ है। एशिया में सबसे बड़े औपचारिक ऑंटों की कमी है। जिसके चलते कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। आचार्य विवेक दास ने बताया कि कबीरमठ में कबीर संग्रहालय जो कबीर हाइटक झोपड़ी के रूप में तैयार हो चुका है। मुंबई व कोलकाता के कई बड़े मठ के पास लगभग 12 एकड़ का परिसर



कबीरमठ मूलगादी के आचार्य विवेक दास

बनायी जायेगी ताकि इसमें आसपास के मरीजों को लाने व ले जाने में सुविधा हो। यह जानकारी कबीरमठ मूलगादी के आचार्य विवेक दास ने जिसदेश टाइम्स को दी। बताया कि इसके संतों का अध्ययन व मनन तथा अनुसूचन के लिए कबीर विद्यापीठ की योजना तय है। कुछ औपचारिक ऑंटों की कमी है। विवेक दास ने बताया कि कबीरमठ में कबीर संग्रहालय जो कबीर हाइटक झोपड़ी के लिए प्रस्ताव भेजा है। इसमें एकड़ का परिसर

पूंजीपतियों ने भी इसके लिए प्रस्ताव भेजा है। इसमें और भी कई कंपनियां शामिल हैं। जो इसमें योगदान करना चाहती हैं। उ.प्र. शासन के संस्कृति मंत्रालय के संग्रहालय के लिए प्रारूप तैयार किया था। संभवतः कई बार उन्होंने घोषणा की तो लेकिन जैशा वे मूलगादी में अनुबंध चाहते हैं, मठ का ट्रस्ट इस अनुबंध के लिए तैयार नहीं है। इसलिए अब सीएसआर कोटे से भी संग्रहालय का निर्माण होने का प्रारूप तैयार हो जाएगा।

मुंबई व कोलकाता के कई बड़े

कबीर संग्रहालय के रूप में हाईटक झोपड़ी बन कर हो गई है तैयार

लहरतारा में कबीर उद्भव स्थली के लिए आ चुकी है धनराशि

कबीरमठ मूलगादी के आचार्य विवेक दास ने दी जानकारी

कर दिया गया है। आचार्य विवेक दास ने बताया कि लहरतारा में कबीर साहब की उद्भव स्थली है। कुछ वर्ष पूर्व मूलगादी योगी आदित्य धाम को 17 कराड़ विवेक उद्भव स्थली व लहरतारा सरोवर के सुंदरीकरण के लिए सुपुर्द किया गया था। इसलिए अब सीएसआर कोटे से भी लिए निर्माण कार्य शुरू होने वाला है।

लहरतारा कबीरमठ में जयंती पर निकली शोभायात्रा



वाराणसी। सद्गुरु कबीर प्रकट्य धाम लहरतारा तालाब एवं स्मारक समिति की ओर से शनिवार को सद्गुरु कबीर साहब का प्रकट्य महोत्पव मन्याया गया। इस अवसर पर कबीर प्रकट्य धाम लहरतारा से सद्गुरु कबीर साहब

हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात आदि प्रदेशों से भक्त शामिल थे। पूरा परिसर सद्गुरु कबीर साहब के साथी, शब्दों, भजनों से उंगायाम था। रथ पर आचार्य अंदराम

साहब विराजमान थे।

कबीर वाणी के साथ ही भजनों की रही गुंज

कीर्तन के साथ

बैंड बाजा, ढोल,

खंजरी संगीत भजन

कीर्तन के साथ

प्रद्वाल बहुत आनंदित और उल्लासित थे।

यात्रा के दौरान जगह जगह पर पानी, शरबत, फल और दूध के लिए व्यवस्था की गयी। पंथ श्री हजूर साहब ने भक्तों को सदेश दिया कि आज का दिन स्पर्श का शमिल थे। शोभायात्रा में कबीर साहब की प्रतिमा सबसे अगे उसके बाद कबीर प्रकट्य धाम के मुख्य पंथ हजूर अंधनाम सुधाकर आचार्य कीरपांथ, धमाधिकारी सुधाकर शास्त्री व अन्न बाहर से आये संत महात्मा दर्शन हुए। शोभायात्रा में बैंड, डीजे, के साथ कबीर साहब के वाणी, भजनों, को गाते हुए शोभायात्रा में सभी आनंदित एवं थिरकते हुए खुशी से ज्ञामे हुए भाव विभाग दी गयी है। जिस घर में संत का आमन नहीं होता, संतगम नहीं होता उस घर में यम का डेरा होता है। भक्त का मतलब सदाचारी होना चाहिए संत के घर आने से पवित्र और ऊर्जावान होता है।

हजारों की संख्या में भक्तों एवं द्रष्टावु

शामिल थे। शोभायात्रा में कबीर साहब की प्रतिमा सबसे अगे उसके बाद कबीर

प्रकट्य धाम के मुख्य पंथ हजूर अंधनाम सुधाकर आचार्य कीरपांथ, धमाधिकारी सुधाकर शास्त्री व अन्न बाहर से आये संत महात्मा दर्शन हुए। शोभायात्रा में बैंड, डीजे, के साथ कबीर साहब के वाणी, भजनों, को गाते हुए शोभायात्रा में सभी आनंदित एवं थिरकते हुए खुशी से ज्ञामे हुए भाव विभाग दी गयी है। जिस घर में संत का आमन नहीं होता, संतगम नहीं होता उस घर में यम का डेरा होता है। भक्त का मतलब सदाचारी होना चाहिए संत के घर आने से पवित्र और ऊर्जावान होता है।

कबीर साहब की जयंती पर देश भर से कबीरचौरा कबीरमठ में आये अनुयायी

वाराणसी। कबीर साहब को 625वीं जयंती समारोह को लेकर कबीरचौरा मठ मूलगादी में देश भर से अनुयायियों के आने का क्रम शमिल करों जो जारी रहा। आचार्य विवेक दास बताते हैं कि 4 जून का पूर्वान्त 11 बजे से सातवें संगोष्ठी और ताना-बाना गुरु के विवाह निर्णय गया था। जारी होने के बाद भजन होगा।

निर्णय गयकों में आशीष मिश्र (वाराणसी), रामप्रसाद दास (गोरखपुर), नंदन बाबा (चुनावा) आदि हैं। इसके अलावा राजस्थान, राजस्थान, कशीपुर से भी निर्णय गयकों में आपनी-आपनी शैली में निर्णय भजनों की प्रस्तुति करेंगे। इस मौके पर संगोष्ठी में कई विवाहालय शामिल होंगे जिसमें डा. ओप्रेकाश सिंह (जेएम डिल्ली), डा. सुरेन्द्र प्रसाद (महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ) आदि हैं। इस अवसर पर भंडरों का भी आयोजन किया गया है। जिसमें हजारों अनुयायी भाग लेकर प्रसाद ग्रहण करेंगे।

4 जून को साहित्य संगोष्ठी के साथ होनी कबीर वाणी व भजन

आचार्य विवेक दास द्वारा भजन होता है।

मठ में रोजाना हजारों की होती है भीड़

आचार्य विवेक दास बताते हैं कि कबीरचौरा मठ में रोजाना 20 हजार भक्त आते हैं। कभी-कभी यह संख्या और भी बढ़ जाती है। यहाँ आने वाले अनुयायी भजनों की गयी है।

आचार्य विवेक दास की दिनर्वाया भूमि में रोजाने पर होती है। सुबह उठ कर सबसे पहले बदली करते हैं।

इसके बाद मूँह-हाथ धोकर बैठ कर रोजाना 30-40 पेज किसी न किसी विषय पर लिखते हैं। प्रातः 5 बजे के बाद वे भक्तों व संतों से मुलाकात करते हैं। प्रातः 8 बजे के बाद आमजनों से भेंट करते हैं।

साल से यहाँ पर हैं। वे लगभग 30 सालों से आचार्य के पद आसीन हैं। जब से वे मठ की

ताने-बने का भी काम करते रहे। कबीर तेरी झोपड़ी, गलकट्टों के पास यह प्रसिद्ध

जनोक्ति यही पर साकार हुई थी। एक तरफ ताने-बने पर खट-पर खट के संतों वर्षा तरफ संसर्ग के लिए भीड़ जमती थी। कबीर साहब की ज्ञानी के पास सत्यंग के लिए जब जगह कम पड़ने लगी थी तब दूसरे परिसर में अलग से एक कबीर चबूतरे का निर्माण किया गया। यही चबूतरा आगे चल तक कबीरचौरा मठ के नाम से विख्यात हुआ। कबीरचौरा मठ का इतिहास काफी प्रसिद्ध है। वीरों द्वारा ताने-बने की विजय की रिकार्ड दर्शाता है। अगले सताह तक द्रायल सर शुरू कर दिया जाएगा। अगले सताह तक द्रायल सर शुरू कर दिया जाएगा।

आचार्य विवेक दास द्वारा भजन होता है।

भौमिका अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के बाहर खड़े मरीज और अंदर बात करते एमआर

मंदिलीय अस्पताल की ओपीडी के ब